8 सुभाषितरत्नानि

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती।
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम्।।१।।

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम्।।२।।

जल-बिन्दु निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः।
स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च।।३।।

काव्य-शास्त्र-विनोदेन कालो गच्छति धीमताम्।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा।।४।।

न चौरहार्यं न च राजहार्यं
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्द्धत एव नित्यं
विद्याधनं सर्वधनंप्रधानम्।।५।।

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ।।६।।

उदेति सविता ताम्रस्ताम्र एवास्तमेति च।
सम्पत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता।।७।।

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय।।८।।

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्।
वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदः।।९।।

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि।
लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति।।१०।।

प्रीणाति यः सुचरितैः पितरं स पुत्रो।
यद् भर्तुरेव हितमिच्छति तत् कलत्रम्।
तन्मित्रमापदि सुखे च समक्रियं यद्।
एतत्त्रयं जगति पुण्यकृतो लभन्ते।।११।।

कामान् दुग्धे विप्रकर्षत्यलक्ष्मीं
कीर्तिं सूते दुष्कृतं या हिनस्ति।
शुद्धां शान्तां मातरं मङ्गलानां
धेनुं धीराः सूनृतां वाचमाहुः।।१२।।

व्यतिषजति पदार्थानान्तरः कोऽपि हेतुः
न खलु बहिरुपाधीन् प्रीतयः संश्रयन्ते।।
विकसति हि पतङ्गस्योदये पुण्डरीकं
द्रवति च हिमरश्मावुद्गते चन्द्रकान्तः।।१३।।

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः।।१४।।

ऋषयो राक्षसीमाहुः वाचमुन्मत्तदृप्तयोः।
सा योनिः सर्ववैराणां सा हि लोकस्य निर्ऋतिः।।१५।।

(संकलित)

अभ्यास प्रश्न

लघु उत्तरीय प्रश्न

१. भाषासु का भाषा मुख्या मधुरा दिव्या च अस्ति? **[2020 ZA]**
२. सुपुत्रः कः?
३. धीमतां कालः कथं गच्छति? **[2019 CP]**
४. मूर्खाणां कालः कथं गच्छति? **[2017 ML, 19 CM, CR, 20 ZE]**
५. सर्वधनं प्रधानम् किम् धनम् अस्ति?

६. कीदृशं मित्रं त्यजेत वर्जयेत् वा?
७. महताम् एकरूपता कदा भवति?
८. पुण्डरीकम् कदा विकसति? **[2019 AL]**
९. लोकोत्तराणां चेतांसि कीदृशानि भवन्ति?
१०. विद्याप्राप्त्यर्थम् विद्यार्थी किं त्यजेत्? **[2017 MH]**
११. विद्याधनम् सर्वधन प्रधानम्' कथं अस्ति?
१२. विद्यार्थी किं त्यजेत्? **[2019 CR]**
१३. विद्या केन रक्ष्यते?
१४. विद्याप्राप्त्यर्थम् विद्यार्थी किम् त्यजेत्?
१५. धीरा कुतः पदं न प्रविचलन्ति? **[2017 MN, 19 CR]**

अनुवादात्मक प्रश्न

१. निम्नलिखित श्लोकों का ससन्दर्भ हिन्दी-अनुवाद कीजिए–

(क) सुखार्थिनः ..... सुखम्। **[सा०2020 ZE, ZI]**
(ख) व्यतिषजति..... चन्द्रकान्तः। **[2020 DG, सा०20 ZH]**
अथवा काव्य-शास्त्र ..... कलहेन वा। **[2017 MJ]**
(ग) न चौरहार्यम् ..... सर्वधनंप्रधानम्। **[2018 AH, 20 ZC, ZD]**
(घ) परोक्षे ..... पयोमुखम्। **[2017 MM, 20 ZA]**
(ङ) उदेति ..... महतामेकरूपता। **[2017 MK, 19 CQ, CR, सा०20 ZK]**
(च) विद्या..... सम्पदः। **[2019 CN, सा०2020 ZK, ZN]**
(छ) जल बिन्दु ..... धनस्य च।
(ज) सहसा विदधीत न ..... स्वयमेव सम्पदः।
(झ) विद्या विवादाय ..... दानाय च रक्षणाय । **[2016 SI]**
(ञ) वज्रादपि कठोराणि ..... विज्ञातुमर्हति।
(ट) निन्दन्तु नीतिनिपुणा .....पदं न धीराः। **[2016 SH, SL, 20 ZB, सा०20 ZL, ZM**
(ठ) प्रीणाति यः ..... पुण्यकृतो लभन्ते। **[2017 ML, 19 CO, सा० 20 ZK]**
(ड) कामान दुग्धे ..... वाचमाहुः। **[2019 CM]**
(ढ) ऋषयो राक्षसीमाहुः ..... लोकस्य निर्ऋतिः।
(ण) भाषासु मुख्या ..... सुभाषितम्।

२. निम्नलिखित सूक्तिपरक वाक्यों की ससन्दर्भ हिन्दी-व्याख्या कीजिए–

(क) सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्।
अथवा विद्यार्थी किं त्यजेत्?
(ख) जल-बिन्दु-निपातेन क्रमशः पूर्यते घटः।
(ग) काव्यशास्त्र-विनोदेन कालो गच्छति धीमताम्।
(घ) सम्पत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता।
(ङ) न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः।

अथवा भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती।

(च) विद्याधनं सर्वधनंप्रधानम्।

(छ) सहसा विदधीत् न क्रियाम्।

(ज) लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुर्महति।

(झ) सुखार्थिनः कुतो विद्या।

(ञ) व्यतिषजति पदार्थानान्तरः कोऽपि हेतुः।

(ट) प्रीणाति च सुचरितैः पितरं स पुत्रो।

(ठ) कुतो विद्यार्थिनः सुखम्।

(ड) द्रवति च हिमरश्मावुद्गते चन्द्रकान्तः।

(ढ) गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदः।

(ण) एतत्त्रयं जगति पुण्यकृतो लभन्ते।

(त) वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्।

३. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(क) विद्या सभी धनों में श्रेष्ठ है।

(ख) विद्या के लिए सुख छोड़ना चाहिए।

(ग) मूर्ख व्यसनों में समय बिताते हैं।

व्याकरणात्मक प्रश्न

१. निम्नलिखित शब्दों में सन्धि-विच्छेद कीजिए–

लोकोत्तराणां, स्वयमेव, अद्यैव, युगान्तरे।

२. निम्नलिखित शब्दों में विभक्ति एवं वचन बताइए–

भाषासु, विवादाय, खलस्य, दानाय, रक्षणाय।

शब्दार्थ

सुभाषित = सुन्दर उक्ति। **तस्मादपि** = उससे भी अधिक। **गीर्वाणभारती** = देववाणी (संस्कृत)। **कलत्रम्** = पत्नी। **वृणुते** = वरण करती है, पास आती है। **प्रीणाति** = प्रसन्न करता है। **हिनस्ति** = दूर या नष्ट करती है। **धीमताम्** = बुद्धिमानों का। **पतङ्गस्य** = सूर्य के। **कामान्**= इच्छाओं को। **व्यतिषजति** = मिलाता है। **हिमरश्मावुद्गते** = चन्द्रमा के निकलने पर। **निर्ऋतिः** = विपत्ति।